Ministry of Culture
Government of India

कला यस्मिन् प्रतिष्ठिताः
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

संस्कृति संवाद शृंखला-18

दयाप्रकाश सिन्हा

संस्कृति संवाद श्रृंखला – 18

निमंत्रण पत्र

मान्यवर,

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र, 20 अक्टूबर 2024 को संस्कृति संवाद श्रृंखला का 18 वां आयोजन दिल्ली में करने जा रहा है। यह आयोजन पद्मश्री से अलंकृत प्रसिद्ध रंग व संस्कृतिकर्मी दया प्रकाश सिन्हा के निमित्त होगा। इस अवसर पर विभिन्न विद्वान साहित्य एवं रंगमंच में दया प्रकाश सिन्हा के अवदान पर विचार रखेंगे तथा उन पर केन्द्रित पुस्तक का लोकार्पण भी किया जायेगा।

इस कार्यक्रम में आप सादर साग्रह आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम स्थल

'समवेत सभागार'

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली

निकटतम मेट्रो स्टेशन: जनपथ (गेट-1) व पटेल चौक

उत्तरापेक्षी

अनुराग पुनेठा

नियंत्रक, मीडिया सेंटर

011-23446430

संस्कृति संवाद शृंखला – 18

कार्यक्रम

उद्घाटन एवं सम्मान

प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

मुख्य अतिथि: डॉ सोनल मानसिंह
अध्यक्षता: प्रो. भरत गुप्त

चाय: 12:00 से 12:30

प्रथम सत्र:
दया प्रकाश सिन्हा के नाटकों का साहित्यिक अवदान

अपराहन 12:30 बजे से 1:30 बजे तक

अध्यक्षता: प्रो. अवनिजेश अवस्थी

वक्ता: श्री दीवान सिंह बजेली,
प्रो. मनप्रीत कौर, डॉ. अशोक कुमार ज्योति, डॉ. नौशाद अली

सूत्र संचालक: प्रो. चन्दन कुमार

भोजन: अपराहन 1:30 बजे से 2:30 बजे तक

द्वितीय सत्र:

दया प्रकाश सिन्हा के नाटकों का अनुवाद

अपराहन 2:30 बजे से 3:30 बजे तक

अध्यक्षता: प्रो. ए अच्युतन

वक्ता: श्री महेंद्र प्रसाद सिंह, श्री नागेन्द्र माणेकरी

सूत्र संचालक: डॉ. हिना नंदराजोग

चाय: 3:30 से 4:00

तृतीय सत्र:
दया प्रकाश सिन्हा के नाटकों की रंगमंचीयता

अपराहन 4:00 बजे से 5:00 बजे तक

अध्यक्षता: प्रो. अजय मलकानी

वक्ता: श्री प्रमोद पंवार, श्री वीरेन बसोया, सुश्री मीता मिश्रा, श्री रोहित त्रिपाठी, श्री भूपेश जोशी, श्री प्रवीण भारती

सूत्र संचालक: श्री जे.पी. सिंह

समापन एवं पुस्तक लोकार्पण

सायं 5:00 बजे से 6:00बजे तक

अध्यक्षता: राम बहादुर राय
वक्ता: डॉ सच्चिदानंद जोशी

दयाप्रकाश सिन्हा

भारतीय हिंदी रंगमंच में सन् 1950 के बाद घटित 'रंग आंदोलन' में एक विश्वसनीय उपस्थिति दर्ज करते हुए प्रसिद्ध नाटककार- नर्देशक एवं सांस्कृतिक प्रशासक पद्मश्री डॉ दया प्रकाश सिन्हा अपने समृद्ध लेखन और निर्देशन के द्वारा भारतीय हिंदी रंगमंच को संजीवनी और ऊर्जा देने के लिए जाने जाते हैं| 1956 से लेकर अब तक आपके द्वारा सृजित और मंचित कुल पंद्रह नाटक अपने विविध विषयों, भावों और परिदृश्य को लेकर लगातार लोकप्रिय और चर्चित हुए हैं। साँझ-सबेरा, मन के भँवर, अपने-अपने दाँव, दुस्मन, मेरे भाई : मेरे दोस्त, इतिहास चक्र, ओह अमेरिका! और सादर आपका जैसे आधुनिक यथार्थवादी नाटक सामाजिक - सांस्कृतिक दृष्टि से न केवल अपने समकालीन समय को अभिव्यक्त करते हैं, बल्कि मध्यमवर्गीय नगरीय समाज की विसंगतियों, चरित्रों के अंत:वाह्य द्वन्द और वर्णित घटनाओं-प्रसंगों के यथार्थ को बड़ी सहजता, स्वाभाविकता और नाटकीयता के साथ सामने लाते हैं। कथा एक कंस की, इतिहास, सीढ़ियाँ, रक्त अभिषेक और सम्राट अशोक जैसे ऐतिहासिक नाटकों में नाटककार ने संबंधित चरित्रों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या और तत्संबंधी संवेदनशीलता का प्रकटीकरण किया है जिसमें संबंधित चरित्र ऐतिहासिक होते हुए भी सम-सामयिक से लगते हैं।

संगीत नाटक अकादमी एवं साहित्य अकादमी सम्मान से अलंकृत दया प्रकाश सिन्हा को सन् 2020 में भारत सरकार ने उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए पद्मश्री से अलंकृत किया।

कला यस्मिन प्रतिष्ठिता:
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

ignca.gov.in outreach.ignca@gmail.com IGNCA ignca_delhi